



“الرسول صلى الله عليه وسلم يبعث في كل أمة من أمة نبي؛ (الرسول صلى الله عليه وسلم يبعث في كل أمة من أمة نبي، ثم يبعث في كل أمة من أمة نبي، ثم يبعث في كل أمة من أمة نبي - ثم يبعث في كل أمة من أمة نبي) ”

قال رسول الله صلى الله عليه وسلم: “الرسول صلى الله عليه وسلم يبعث في كل أمة من أمة نبي؛ (الرسول صلى الله عليه وسلم يبعث في كل أمة من أمة نبي، ثم يبعث في كل أمة من أمة نبي، ثم يبعث في كل أمة من أمة نبي - ثم يبعث في كل أمة من أمة نبي) ”.

[الرسول صلى الله عليه وسلم يبعث في كل أمة من أمة نبي؛ (الرسول صلى الله عليه وسلم يبعث في كل أمة من أمة نبي، ثم يبعث في كل أمة من أمة نبي، ثم يبعث في كل أمة من أمة نبي - ثم يبعث في كل أمة من أمة نبي) ”]

قال رسول الله صلى الله عليه وسلم: “الرسول صلى الله عليه وسلم يبعث في كل أمة من أمة نبي؛ (الرسول صلى الله عليه وسلم يبعث في كل أمة من أمة نبي، ثم يبعث في كل أمة من أمة نبي، ثم يبعث في كل أمة من أمة نبي - ثم يبعث في كل أمة من أمة نبي) ”.

<https://www.sunnah.global/hadeeth/te/show/3591>

